टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी (भाग–१)

डिसेंबर –२०११ परीक्षा

विषय : प्राचीन काव्य (H-102)

दिनांक: २१/१२/२०११ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात: १०.०० से दो.१.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) 'पद्मावत' के आधार पर जायसी के विरहवर्णन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) कबीर की भक्तिभावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न २. अ) तुलसीदास की समन्वयभावना की विस्तृत चर्चा कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) पदावली के आधार पर मीराँ की प्रेमभावना का परिचय दीजिए।

प्रश्न ३. अ) बिहारी के संयोग श्रृंगार का विवेचन कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) घनानंद के सौंदर्य चित्रण का निरुपण कीजिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) खालिक खलक खलक महिं खालिक सब घटि रहा समाई ।
अव्वलि अल्लह नूर उपाया कुदरति के सभ बंदे ।
एक नूर तैं सब जग कीआ कौन भले कौन मंदे।
ता अल्ला की गति नहि जांनी गुर गुड दीन्हां मीठा।

२) ऐसी मूढता या मन की।
परिहरि राम भगति सुरसरिता आस करत ओसकन की।।
धूम समूह निरखि चातक ज्यों तृषित जानि मति घन की।
नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।।

३) हेरी म्हा दरद दिवाणाँ म्हाराँ दरद न जाण्याँ कोय।
घायल री गत घायल जाणयाँ, हिबडो अगण सँजोय।
जौहर की गत जौहरी जाणै, क्या जाण्याँ जिण खोय।
दरद की मारया दर–दर डोल्याँ वैद मिल्या नहिं कोय।

४) लाजनि लपेटी चितवनि भेद भाय भरी,
लसति ललित लोल चख तिर छानि मैं।
छबि को सदन गोरो बदन, रुचिर भाल,
रस निचुरत मीठी मृदु मुसक्यानि मैं ।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) पद्मावत की ऐतिहासिकता ।
२) कबीर का बाह्याचार खंडन ।
३) मीराँ के कृष्ण ।
४) बिहारी की अलंकार योजना ।